

Interactive phaseInter-Active phase / Implementation phaseअंतः क्रिया (अवस्था) / कार्यान्वयन (अवस्था)

⇒ अंतः क्रिया (अवस्था) के अंतर्गत के सभी क्रियाएं सम्मिलित की जाती हैं जो शिक्षक कक्षा में प्रवेश करने से लेकर कक्षा के बाहर आने तक करता है।

⇒ इस अवस्था में निम्नलिखित क्रियाएं शामिल हैं:-

- ① कक्षा के आकार की अनुमति (Sizing up the class)
- ② छात्रों का निदान (Diagnosis of the learners)
- ③ उद्दीपकों का चयन (Selection of Stimuli)
- ④ उद्दीपकों का प्रस्तुतीकरण (Presentation of Stimuli)
- ⑤ फीडबैक तथा पुनर्वर्तन (Feedback and reinforcement)
- ⑥ रणनीतियों का प्रयोजन (Deployment of Strategies)

अंतः क्रिया (अवस्था) के मुख्य कार्य हैं
(Major operations in Inter-Active phase)

अनुमति (perception)

↓
निदान (Diagnosis)

↓
प्रतिक्रिया (Response)

M.P. Ansari
28/04/2020

Role of Teacher
(शिक्षक की भूमिका)

- ① सुविधा प्रदाता के रूप में (As a Facility provider)
- ② अनुसंधानकर्ता के रूप में (As a Monitoring agent)
- ③ नेतृत्वकर्ता के रूप में (As the Leader)
- ④ मार्गदर्शक के रूप में (As a Guide)
- ⑤ परामर्शदाता के रूप में (As a Consultant)

① Role of Teacher as a Facility Provider
सुविधा प्रदाता के रूप में शिक्षक की भूमिका :-

- ⇒ कक्षा के वातावरण को शिक्षण कार्य के अनुकूल बनाना
- ⇒ छात्रों की योग्यता और स्तर के अनुकूल शिक्षण विधि का प्रयोग करना चाहिए।
- ⇒ कक्षा शिक्षण में सहायक सामग्री का प्रयोग करना।
- ⇒ शिक्षण सम्बन्धी समस्याओं का निदान करना।
- ⇒ छात्रों को समस्याओं व चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्म निर्भर बनाना।
- ⇒ छात्रों के लिए यह आसान नहीं होता है कि वह शिक्षक से अपनी सारी समस्या बता दे इसलिए शिक्षक के लिए जानने के उद्देश्य चित्त वाले और सहायता करने के लिए इच्छुक होना।

② Role of Teacher as a Monitoring agent
अनुश्रवण कर्ता के रूप में शिक्षक की भूमिका :-

- ⇒ छात्रों का परदेशन सुधारने के लिए सतत अनुश्रवण और उन्हें उत्तर देने की जरूरत होती है।
- ⇒ छात्रों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे छात्र अपने परदेशन के बारे में अधिक सचेत बनते हैं और अपने सीखने के बारे में ज्यादा जिम्मेदार बनेंगे।
- ⇒ निगरानी रखने से आप निश्चित रूप से फीडबैक देने में सक्षम होंगे इससे छात्रों को यह पता चलेगा कि उनका परदेशन कैसा है।
- ⇒ कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते समय छात्रों का अवलोकन करना।
- ⇒ जब छात्र काम कर रहे हैं तो तब अपनी कक्षा का संचालन लगाकर संक्षिप्त अवलोकन दिये जा सकते हैं।

③ Role of Teacher as a Leader
नेतृत्वकर्ता के रूप में शिक्षक की भूमिका

- ⇒ शिक्षक को नेतृत्वकर्ता के रूप में माल्यांकन करने और निर्णय लेने की आवश्यकता होती है ताकि विद्यार्थियों को विद्यालय के साथ चल रहा है और नई सुधारों की आवश्यकता है यह वे समझ सकें।

समाज सारणी को (अच्छी तरह से निर्धारित करना)

- ⇒ युक्तियों (और अवसरों) की पहचान करना
- ⇒ समाज वास्तव में क्या है इसे तथ्य करके और इसका कैसे समाधान निकाला जा सके इसके लिए समाज क तथ्यों का मूल्यांकन करना

4) Role of Teacher as a Guide

मार्गदर्शक के रूप में शिक्षक की भूमिका

M.R. Ansari
30/04/2020

- ⇒ छात्रों को उनकी योग्यताओं और शक्ति का ज्ञान कराना, ताकि वह अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए उपयोगी योगदान दे सकें
- ⇒ छात्रों को सन्तुलित, शारीरिक, मानसिक, भावात्मक एवं सामाजिक प्रगति में इस प्रकार सहायता देना कि वह अपने वातावरण के साथ संतुल्यजनक ढंग में समायोजित हो सकें
- ⇒ छात्रों का ध्यान लक्ष्य की ओर आकर्षित करके, उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना चाहिए
- ⇒ सहायता की सहायता में बालकों में आत्मविश्वास, सत्यप्रियता, देशभक्ति आदि स्थायी भावों का विकास करना चाहिए

M.R. Ansari
30/04/2020

M.R. Ansari
30/04/2020

V C-3

=> छात्रों की आवश्यकताओं से संबंधित विद्यालय के प्रयोजन एवं कार्य को समझने में सहायता देना चाहिए।

Role Of Teacher as a consultant
परामर्शदाता के रूप में शिक्षक की भूमिका

=> प्राथमिक स्तर पर बच्चे शीघ्र (सुदृढ़) की तरह परिवर्तनशील व्यवहार की तरह होता है इसे परामर्श के द्वारा मवांशीण विकास के लिए तैयार किया जा सकता है।

=> परामर्श शिक्षा में आवश्यक प्रयोग, अपेक्ष्य एवं अवरोधन रोकने, अधिगम के प्रभावी अधिग्रहण हेतु आवश्यक है।

=> समस्यात्मक कालको एवं काल (सुपरधियों) के सुझाव हेतु परामर्श देना चाहिए।

=> छात्रों को इस प्रकार सहायता देना की वे स्वयं अपना मूल्यांकन कर सकें।

M.R. Ansari
30/04/2020